दाह - संस्कार

हम इस व्यापक, पूर्ण, शुद्ध, बुद्ध, नित्य एवं सत्य परमात्मा का स्मरण करते हैं।

अग्नि प्रज्वलित :→

1. हे माँ, जिस पावन देह द्वारा आपने शुभ कर्म किए वह अब निष्प्राण हो गयी है इसे हम अग्नि को समर्पित करते हैं।

2. हे माँ, जिस पावन देह द्वारा आपने हमारा पालन पोषण किया यह अब निष्प्राण हो गई इसे अब हम अग्नि को समर्पित करते हैं।

3. हे माँ, आप अमर हो, अमर ही रहोगी जिस नाशवान देह को आपने त्याग दिया इसको हम अग्नि को समर्पित करते हैं।

वन्दना - कामना

1. हे माँ, आपने हम सब भाई बहनों का पालन पोषण किया, हम कृतज्ञता पूर्वक आपकी वन्दना करते हैं।
2. हे माँ, आपने हम सब को शुभ कर्मों की ओर प्रेरित किया, इसके लिए हम सब कृतज्ञता पूर्वक आप की वन्दना करते हैं।
4. हे माँ, आपकी शुभ कामनाओं को पूरा करने के लिए हम अपने तन, मन धन को समर्पित करते हैं।
3. हे माँ, आपने हम सब को शुभ कर्मों के लिए प्रोत्साहित किया, इसके लिए हम सब कृतज्ञता पूर्वक आपकी वन्दना करते है।
5. हे माँ, आपको पुनः सुन्दर और स्वस्थ देह प्राप्त हो हम सब ऐसी शुभ कामना करते हैं।

6. हे माँ, आपको सब साधनों से सम्पन्न परिवार प्राप्त हो ऐसी शुभ कामना करते हैं।

7. आपको बिद्वत्जनों का सानिध्य प्राप्त हो ऐसी हम शुभ कामना करते हैं।

8. आपको पूर्ण जागृत होने और जागृति को प्रमाणित करने का अवसर प्राप्त हो ऐसी हम शुभ कामना करते हैं।

9. हे माँ, आपकी बन्दना करते हुए हम सब परिवार जन निरन्तर शुभ कर्मों में लगे रहे ऐसा आशीर्बाद दो।

—:※:—

माँ का सम्बन्ध तो सभी के लिए अनुपम है। मुझे माँ से और भी ज्यादा मिला। अलीगढ से गाँव की यात्रा में उनके उपकारों की स्मृति से कुछ क्षणों के लिए खूब अश्रुपात अवश्य हुआ। जीवन के अमरत्व एवं शरीर के नश्वरत्व की व्यवस्था के बोध से माँ के शरीर बियोग से आज तक सहज स्थिति रही। माँ की स्मृति आने पर कृतज्ञता का अनुभव कर उत्साहित हुआ।

वन्दना, कामना एवं संकल्प दिवस

6

हम इस व्यापक, पूर्ण, शुद्ध, बुद्ध, नित्य एवं सत्य परमात्मा का स्मरण करते हैं। अस्तित्व में इस समृद्ध धरती पर पदार्थ, प्राण, जीव एवं ज्ञानावस्था के रूप में यह जो व्यवस्था प्रकाशित है इसका स्मरण करते हैं।

धरती पर हमारे पूर्वजों ने अब तक जो शुभ कर्म किए हैं उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

हे माँ, आपने हम सब भाई बहनों का ममता पूर्वक पालन पोषण किया, हम सबको स्वस्थ एवं योग्य बनाया इसके लिए हम

- आपका सविनय आभार प्रकट करते हैं।
- आपने हम सबको शुभ कर्मों के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया, इसके लिए हम आपका ~~सविनि~~ सविनय आभार प्रकट करते हैं।
- आपकी शुभ कामनाओं को पूरा करने के लिए हम अपने तन मन धन को कृतज्ञता पूर्वक समर्पित करते हैं।
- आपको पुनः सुन्दर और स्वस्थ मानवदेह प्राप्त हो हम सब ऐसी शुभकामना करते हैं।
- आपको विद्वत जनों का सान्निध्य प्राप्त हो ऐसी हम शुभकामना करते हैं।
- आपको पूर्ण जागृत होने और जागृति को प्रमाणित करने का अवसर प्राप्त हो ऐसी हम शुभकामना करते हैं।
- आपकी वन्दना करते हुए हम सब परिवार जन निरन्तर शुभ कर्मों में लगे रहें ऐसा आशीर्वाद दो।